हिंदी–विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार

परीक्षा–योजना तथा पाठ्यक्रम

सेमेस्टर स्कीम

जुलाई, 2011 से आरंभ

परीक्षा–योजना तथा पाठ्यक्रम

विद्वत् परिषद् और कार्यकारी परिषद् की बैठक दिनांक 25 अप्रैल, 2011 में पारित

शिक्षा–वर्ष 2011 में बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

दिल्ली विश्वविद्यालय

विभाग का नाम : हिंदी

पाठ्यक्रम : बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार

सेमेस्टर–1	प्रश्नपत्र–1: संचार, जनसंख्या और जनमाध्यम
	प्रश्नपत्र–2: माध्यम और भाषा
	प्रश्नपत्र–3: समवर्ती – भाषा योग्यता
सेमेस्टर–2	प्रश्नपत्र–4: सांस्कृतिक और अस्मितामूलक विमर्श और मीडिया
	प्रश्नपत्र–5: इलैक्ट्रोनिक संचार के विद्यारूप
	प्रश्नपत्र–6: समवर्ती – क्रेडिट योग्यता

सेमेस्टर–3	प्रश्नपत्र–7: कम्प्यूटर और इंटरनेट
	प्रश्नपत्र–8: संपादन और रिपोर्टिंग
	प्रश्नपत्र–9: समवर्ती – अंतः विषय
सेमेस्टर–4	प्रश्नपत्र–10: माध्यम, आचार सहिंता और कानून
	प्रश्नपत्र–11: विज्ञापन
	प्रश्नपत्र–12: जनसंपर्क
	प्रश्नपत्र–13: समवर्ती – अनुशासन केन्द्रित–1

सेमेस्टर–5	प्रश्नपत्र–14: प्रिंट माध्यम
	प्रश्नपत्र–15: रेडियो
	प्रश्नपत्र–16: टेलीवीजन
	प्रश्नपत्र–17: सिनेमा
सेमेस्टर–6	प्रश्नपत्र–18: भारतीय पत्रकारिता का परिदृश्य और इतिहास
	प्रश्नपत्र–19: परियोजना
	प्रश्नपत्र–20: प्रशिक्षण कार्यक्रम
	प्रश्नपत्र–21: समवर्ती – अनुशासन केन्द्रित–2

SEMESTER BASED UNDER-GRADUATE HONOURS COURSES

Distribution of Marks & Teaching Hours

The Semester-wise distribution of papers for the B.A. (Honours), B.Com. (Honours), B. Com., B.Sc. (Honours) Statistics and B.Sc. (Honours) Computer Science will be as follows:

Type of Paper	Max. Marks	Theory Exam.	I.A.	Teaching per week
Main Papers	100	75	25	5 Lectures 1 Tutorial
Concurrent Courses	100	75	25	4 Lectures 1 Tutorial
Credit Courses for B.Sc.(Hons.) Mathematics	100	75	25	4 Lectures 1 Tutorial

- Size of the Tutorial Group will be in accordance with the existing norms.
- The existing syllabi of all Concurrent/Credit Courses shall remain unchanged.
- The existing criteria for opting for the Concurrent /Credit Courses shall also remain unchanged.

हिंदी-विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम
सेमेस्टर योजना, 2011 से प्रस्तावित

पाठ्यक्रम प्रस्तावना

वर्षों पूर्व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (U.G.C.) ने राजभाषा हिंदी के प्रयोजनपरक पक्ष को मज़बूत बनाने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के हिंदी विभागों के अंतर्गत कई नए पाठ्यक्रम शुरू किए थे, जिनमें हिंदी पत्रकारिता, अनुवाद और प्रयोजनमूलक हिंदी के पाठ्यक्रम शामिल थे। राजभाषा कार्यान्वय की उसी योजना के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी पत्रकारिता (ऑनर्स) का पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया था। शुरू में यह कोर्स एक कॉलेज में लागू किया गया, लेकिन पाठ्यक्रम में निहित रोजगारपरक संभावनाओं के कारण यह कोर्स काफी लोकप्रिय हुआ और अब यह पाठ्यक्रम विभाग की निगरानी में चार कॉलेजों में सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। यही नहीं इस पाठ्यक्रम की मांग कई अन्य कॉलेज लगातार कर रहे हैं। सर्वविदित है कि जनसंचार के क्षेत्र में बड़ी तेजी से बदलाव आ रहा है। हम आज जिस सूचना युग में रह रहे हैं, उसमें न केवल नई-नई सूचना तकनीकों का विकास हो रहा है बल्कि जनमाध्यमों की नई सैद्धांतिकी भी विकसित हो रही है। पत्रकारिता एवं जनसंचार की सभी नई तकनीकों और सैद्धांतिकियों से परिचित कराने में वर्तमान पाठ्यक्रम में ठहराव का अनुभव किया जा रहा था। इसीलिए उसे वर्तमान परिप्रेक्ष्य के अनुरूप बदलने की आवश्यकता महसूस हुई।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम अपने नए प्रारूप में पत्रकारिता एवं जनसंचार क्षेत्र की अद्यतन आवश्यकताओं को न केवल पूरा करने वाला है अपितु हिंदी के भावी विद्यार्थी को पूर्णत: 'प्रोफेशनल' बनाने की संभावना पैदा करता है। प्रस्तावित नया पाठ्यक्रम प्रिंट मीडिया के अलावा सही दृश्य-श्रव्य माध्यमों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है ताकि नया विद्यार्थी-वर्ग अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखते हुए नई तकनीकों एवं माध्यमों में प्रशिक्षित हो सके। प्रस्तावित पाठ्यक्रम में अनिवार्य परियोजना के प्रावधान के साथ-साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी अनिवार्य बनाया गया है। हर प्रश्नपत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण का प्रावधान इस पाठ्यक्रम को ज्यादा व्यावहारिक और भविष्योन्मुखी बनाता है। निश्चित ही इस प्रस्तावित पाठ्यक्रम से एक समर्थ प्रोफेशनल पत्रकार/मीडियाकर्मी के शैक्षणिक व्यक्तित्व का निर्माण किया जा सकता है।

नोट : प्रत्येक सत्र के आरंभ में संबद्ध महाविद्यालयों के प्रभारी शिक्षक हिंदी–विभाग के निरीक्षण में उस सत्र की पाठ–योजना प्रस्तावित करेंगे जिनके आधार पर अध्ययन–अध्यापन और परीक्षा होगी।

प्रश्नपत्रों का क्रम इस प्रकार होगा :

प्रश्नपत्र–1	:	संचार, जनसंचार और जनमाध्यम
प्रश्नपत्र–2	:	माध्यम और भाषा
प्रश्नपत्र–3	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – भाषा योग्यता
प्रश्नपत्र–4	:	सांस्कृतिक और अस्मितामूलक विमर्श और मीडिया
प्रश्नपत्र–5	:	इलेक्ट्रॉनिक संचार के विधा रूप
प्रश्नपत्र–6	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – क्रेडिट योग्यता
प्रश्नपत्र–7	:	कम्प्यूटर और इंटरनेट
प्रश्नपत्र–8	:	संपादन और रिपोर्टिंग
प्रश्नपत्र–9	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – अंतः विषय
प्रश्नपत्र–10	:	माध्यम, आचार–संहिता और कानून
प्रश्नपत्र–11	:	विज्ञापन
प्रश्नपत्र–12	:	जनसंपर्क
प्रश्नपत्र–13	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – अनुशासन केन्द्रित–1
प्रश्नपत्र–14	:	प्रिंट माध्यम
प्रश्नपत्र–15	:	रेडियो
प्रश्नपत्र–16	:	टेलीविज़न
प्रश्नपत्र–17	:	सिनेमा
प्रश्नपत्र–18	:	भारतीय पत्रकारिता का परिदृश्य और इतिहास
प्रश्नपत्र–19	:	परियोजना कार्य
प्रश्नपत्र–20	:	प्रशिक्षण कार्यक्रम
प्रश्नपत्र–21	:	समवर्ती पाठ्यक्रम – अनुशासन केन्द्रित–2

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम

सेमेस्टर-I

प्रश्नपत्र-1 : संचार, जनसंचार और जनमाध्यम

1. संचार : परिभाषा, प्रक्रिया, माध्यम और विकास
2. जनसंचार : अर्थ, परिभाषा और विशेषताएँ – जनसंस्कृति और जनसंचार
3. जनमाध्यम की सैद्धान्तिकी – मनोशास्त्रीय सैद्धान्तिकी, मार्क्सवादी सैद्धान्तिकी, लोकतांत्रिक भागीदारी सिद्धान्त
4. पत्रकारिता और जनसंचार – सामाजिक परिवर्तन में पत्रकारिता का योगदान, जनमाध्यम, भूमंडलीकरण और जनमाध्यम, समकालीन मीडिया परिदृश्य, पीत पत्रकारिता

व्यावहारिक परीक्षा किसी सिद्धांत-संदर्भित विषय पर 3000 शब्दों में एक आलेख

संदर्भ ग्रंथ :

1. संस्कृति विकास और संचार क्रांति – पूरनचंद्र जोशी
2. मेनी वायसेज, वन वर्ल्ड – सीन मैक्रबाइड
3. ब्राइडकास्टिंग एंड दि पीपुल – मेहरा, मसानी
4. जनमाध्यम सैद्धान्तिकी – सुधा सिंह
5. हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका – जगदीश्वर चतुर्वेदी
6. दूरदर्शन : विकास से बाज़ार तक – सुधीश पचौरी
7. भूमंडलीय जनमाध्यम : एडवर्ड एस. हरमन – रॉबर्ट डब्ल्यू. मैकचेस्नी
8. संचार के सिद्धांत – अर्मांड मैतेलार्त, मिशेल मैतेलार्त

प्रश्नपत्र-2 : माध्यम और भाषा

1. प्रिंट माध्यम की भाषा – हिंदी अखबारों तथा पत्र-पत्रिकाओं में भाषा का बदलता स्वरूप, प्रिंट माध्यमों में अनुवाद की भाषा
2. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की भाषा – रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, इंटरनेट तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में अनुवाद की भाषा
3. माध्यमों में भाषा समस्या : साहित्यिक भाषा, समकालीन माध्यमों में भाषा, भाषागत शुद्धता-अशुद्धता संबंधी समस्याएँ, मीडिया की भाषा का समकालीन रूप (सोदाहरण)
4. माध्यमों में प्रचलित महत्वपूर्ण तकनीकी पदावली

व्यावहारिक कार्य (3000 शब्दों में एक आलेख)

1. उच्चारण और वाचन शैली
2. एंकरिंग
3. प्रूफ रीडिंग
4. माध्यमों में विधागत अनुवाद, भाषायी अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ :

1. द लैंग्वेज ऑफ न्यू मीडिया – लेक मैनोविच
2. कल्चर, मीडिया, लैंग्वेज – स्टुअर्ट हाल
3. कम्प्यूटर एसिसटेड लैंग्वेज लर्निंग; मीडिया, डिजाइन एंड एप्लीकेशंस – कीथ कैमेरॉन
4. आज की दुनिया में सूचना पद्धति – मार्क पोस्टर

प्रश्नपत्र-३

समवर्ती पाठ्यक्रम – भाषा योग्यता

सेमेस्टर-II

प्रश्नपत्र-4 : सांस्कृतिक और अस्मितामूलक विमर्श तथा मीडिया

1. अस्मिता और पहचान के सवाल – परंपरागत संस्कृति और पॉपुलर-संस्कृति की अवधारणा, लोक-संस्कृति, राष्ट्रीय संस्कृति, भारतीय स्त्री, दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी
2. जेंडर, समानता और स्त्री-विमर्श
   संवैधानिक प्रावधान, माध्यम, आचार-संहिता
3. माध्यम व्यवहार – अस्मितामूलक कोटियाँ और माध्यमों में प्रस्तुतियाँ
   (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के संदर्भ में)
4. माध्यम साम्राज्यवाद :
   सामाजिक आंदोलन और मीडिया-संस्कृति, जन-संस्कृति और पॉपुलर कल्चर, जनमाध्यमों का बाज़ार

व्यावहारिक कार्य (3000 शब्दों में एक आलेख)

1. अस्मितामूलक, सांस्कृतिक और भूमंडलीय माध्यमों की अंतर्वस्तु की केस स्टडी

संदर्भ ग्रंथ :

1. पॉपुलर कल्चर – सुधीश पचौरी
2. माध्यम साम्राज्यवाद – जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ – सुधा सिंह
4. टेलीविजन प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप – रेमण्ड विलियम्स

प्रश्नपत्र-5 : <u>इलेक्ट्रॉनिक संचार के विधारूप</u>

1. संचार माध्यम के रूप में रेडियो, आकाशवाणी और एफ.एम. का संगठन, रेडियो के लिए कार्यक्रम-निर्माण, समाचार-वाचन, घटनास्थल पर रिपोर्टिंग, साक्षात्कार, एफ.एम. रेडियो के लिए कार्यक्रम प्रस्तुति, कम्युनिटी रेडियो, प्रसार भारती, फीचर, फोन-इन
2. टेलीविजन : संचार माध्यम के रूप में टेलीविजन का विकास, सूचना क्रांति और निजी टेलीविजन चैनल, टी.वी. कार्यक्रमों के विविध प्रारूप (धारावाहिक, वृत्तचित्र, रिएलिटी शोज़, हास्य कार्यक्रम, टॉक शो, समाचार-आधारित कार्यक्रम, टी.वी. के लिए कार्यक्रम-निर्माण, कार्यक्रम-संयोजन और स्वरूप, रिपोर्टिंग, संपादन, साक्षात्कार, परिचर्चा
3. सिनेमा : सिनेमा की विकास-यात्रा और हिंदी सिनेमा, संचार माध्यम के रूप में सिनेमा, फिल्म-निर्माण की प्रक्रिया और तकनीक, सिनेमेटोग्राफी, फिल्म संपादन, पटकथा-लेखन

<u>व्यावहारिक कार्य</u>

1. (क) किसी रेडियो कार्यक्रम, टी.वी. कार्यक्रम की 3000 शब्दों में समीक्षा (अंतर्वस्तु एवं तकनीकी पक्ष)

   (ख) सत्यजीत रे, श्याम बेनेगल (अंकुर), मिर्ज़ा ग़ालिब, सारांश (महेश भट्ट), राजकपूर (मेरा नाम जोकर), शोले, मदर इण्डिया (महबूब), उमराव जान (मुजफ्फर अली), लगान, रंग दे बसंती (आमिर खान), चक दे इंडिया (यशराज), तमस, नुक्कड़, स्वामी या किसी लोकप्रिय फिल्म की समीक्षा (अंतर्वस्तु एवं तकनीकी पक्ष)

   (नोट : फिल्मों के पाठ विभाग द्वारा भविष्य में बदले जा सकते हैं।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. दि टेलीविजन स्टडीज रीडर – रॉबर्ट क्लाइड एलेन, एनीट हिल
2. अण्डरस्टैंडिंग रेडियो – एंड्रयू क्रीसेल
3. इमिटेशंस ऑफ लाइफ : ए रीडर ऑन फिल्म एंड टेलीविजन मेलोड्रामा
4. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी
5. हिंदी सिनेमा का इतिहास - मनमोहन चड्ढा

प्रश्नपत्र-६

समवर्ती पाठ्यक्रम – क्रेडिट योग्यता

सेमेस्टर-III

प्रश्नपत्र-7 : <u>कम्प्यूटर और इंटरनेट</u>

1. कम्प्यूटर का परिचयात्मक इतिहास, कम्प्यूटर के घटक - हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर परिचालन प्रणालियाँ - विंडोज़, मैकिंटोश एप्पल, लाइनैक्स
2. विंडोज एम.एस. ऑफिस के अनुप्रयोग --

   पावर प्वायंट, वर्ड, पब्लिशर, एक्सेल, एक्सैस
3. डी.टी.पी.

   एडोब पेज मेकिंग, पीडीएफ, पेजमेकर, सी-डैक सॉफ्टवेयर,

   विविध फॉन्ट पद्धति, कम्प्यूटर में देवनारी लेखन, हिंदी समाचार-पत्रों के फॉन्ट्स

   यूनिकोड पद्धति में हिंदी में लेखन, कन्वर्टर
4. कम्प्यूटर और मल्टी-मीडिया सॉफ्टवेयर
   - क्वार्क एक्सप्रेस
   - फोटोशॉप
   - कोरल ड्रा
   - ऑक्टोपस
   - आई पैड
5. इंटरनेट का इतिहास, इंटरनेट के विविध प्रयोग
   - ई-पेपर, वेब पत्रिकाएँ, हिंदी ब्लॉग, हिंदी पोर्टल
   - ई-मेल, वीडियो कांफ्रेंसिंग
   - ई-कंटेंट का विकास
   - हिंदी विकीपीडिया

व्यावहारिक कार्य

1. पृष्ठ–निर्माण
2. छात्राओं द्वारा वेबसाइट–निर्माण
3. हिंदी ब्लॉग का निर्माण
4. ई–पेपर निर्माण
5. Power Point Presentation

– ई–पत्रिका कॉलेज की ओर से निकाली जाए
– किसी भी एक विषय पर प्रत्येक छात्र द्वारा Power Point Presentation

संदर्भ ग्रंथ :

1. डिक्शनरी ऑफ कम्प्यूटर एण्ड इंटरनेट वर्ड्स : एन ए टू जेड गाइड टू हार्डवेयर, एमेरिकन हेरिटेज डिक्शनरी रेफरेंस
2. द इंटरनेट बुक : एवरीथिंग यू नीड टू नो एबाउट कम्प्यूटर नेटवर्किंग एण्ड हाउ द इंटरनेट वर्क्स, डगलस ई कॉमर
3. रैण्डम हाऊस वबस्टर्स कम्प्यूटर एण्ड इंटरनेट डिक्शनरी – फिलीप ई मार्गोलिस
4. हाइपरटेक्स्ट वर्चुअल रिएलिटी और इंटरनेट – जगदीश्वर चतुर्वेदी

प्रश्नपत्र-8 : <u>संपादन और रिपोर्टिंग</u>

1. समाचार की परिभाषा और महत्व, समाचारों के आवश्यक तत्व और स्रोत, हिंदी और अंग्रेजी की प्रमुख समाचार एजेंसियाँ
2. रिपोर्टिंग के सिद्धांत, प्रकार्य और उत्तरदायित्व, रिपोर्टिंग तकनीक
3. संवाददाता, अर्हताएँ, उत्तरदायित्व और कार्य, विभिन्न क्षेत्रों की रिपोर्टिंग – राजनीतिक, आर्थिक, अपराध, विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, खोजी, पर्यटन, पत्रकारिता इत्यादि।
4. संपादन का अर्थ, उद्देश्य, सिद्धांत की प्रक्रिया, संपादक के कार्य एवं संपादकीय विभाग की संरचना, ऑनलाइन संपादन, वीडियो संपादन, फोटो और कार्टून

<u>व्यावहारिक कार्य</u>

1. संपादन/रिपोर्टिंग के विशेष उदाहरणों की समीक्षा (3000 शब्दों में)

संदर्भ ग्रंथ :

1. टेक्स्टबुक ऑफ एडीटिंग एण्ड रिपोर्टिंग – एम.के. जोसेफ
2. न्यूज एडीटिंग एण्ड रिपोर्टिंग – मधुर सेल्वराज
3. न्यूजपेपर राइटिंग एण्ड एडीटिंग – विलियम ग्रोसवेनर ब्लेयर
4. द एडीटोरियल आई – जैन टी. हैरिंगटन, करेन ब्राउन डनलप

प्रश्नपत्र-९

समवर्ती पाठ्यक्रम – अंतः विषय

सेमेस्टर-IV

प्रश्नपत्र-10: **<u>माध्यम, आचार-संहिता और कानून</u>**

1. लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संविधान में निहित अधिकार और सीमाएँ, पत्रकारों के लिए आचार-संहिता, आपात्काल (भारत में)
2. प्रमुख प्रेस कमीशन और उनकी सिफारिशें, पालेकर, बच्छावत आदि कमीशन।
3. भारत के प्रेस कानून –
   - श्रमजीवी पत्रकार कानून
   - संसदीय विशेषाधिकार
   - प्रेस काउंसिल कानून
   - सरकारी गोपनीयता कानून, आपत्तिजनक सामग्री, प्रकाशन अधिनियम
   - सूचना का अधिकार
   - कॉपीराइट, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी अधिकार
   - मानहानि कानून, साइबर कानून, सेंसरशिप, स्टिंग ऑपरेशन

<u>व्यावहारिक कार्य</u>

1. विभिन्न प्रेस कानूनों पर आधारित समकालीन केस स्टडी करने वाला एक आलेख (3000 शब्द)

संदर्भ ग्रंथ :

1. मीडिया एफिक्स एण्ड अनकाउंटेबिलिटी सिस्टम्स – क्लाद ज्यां ब्रट्रैण्ड
2. होल्डिंग द मीडिया अनकाउंटेबल : सिटिजन्स, एथिक्स एंड दि लॉ, डेविड हेमिंग्स

प्रश्नपत्र-11 : विज्ञापन

1. विज्ञापन : परिभाषा, उद्‌भव और विकास, विशेष संदर्भ : भारत
2. विज्ञापन उद्योग
3. विज्ञापन-निर्माण की प्रक्रिया, विज्ञापन के प्रकार – संस्थानिक, सरकारी और गैर-सरकारी, विभिन्न माध्यम और विज्ञापन, विज्ञापन की भाषा
4. ब्राण्ड – अवधारणा, निर्माण, बाजार, भारतीय बाजार के प्रमुख ब्राण्ड

व्यावहारिक कार्य : किसी विज्ञापन की समग्र समीक्षा/किसी विज्ञापन का निर्माण (3000 शब्द)

संदर्भ ग्रंथ :

1. एडवरटाइजिंग मेड सिंपल – फ्रैंक जेफकिन्स
2. रिवैल्यूएशन एडवरटाइजिंग एण्ड पब्लिक रिलेशन इन इंडिया – अरुण चौधरी
3. डिजिटल युग में मासकल्चर और विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
4. संरचनावाद उत्तरसंरचनावाद – सुधीश पचौरी

प्रश्नपत्र-12 : जनसंपर्क

1. जनसंपर्क की अवधारणा और प्रकार्य, जनसंपर्क और संचार, विभिन्न संचार सैद्धान्तिकियाँ।
2. जनसंपर्क विभाग का संगठन, सरकारी और गैर-सरकारी विभागों का संगठन, जनसंपर्क अधिकारी।
3. जनसंपर्क और उद्योग, सामाजिक तनाव और जनसंपर्क, जनसंपर्क और राजनीति।

व्यावहारिक कार्य : सरकारी और ग़ैर-सरकारी विभागों के संगठन से संबंधित।

नोट : प्रत्येक सत्रारंभ में संबद्ध महाविद्यालयों के प्रभारी उपर्युक्त बिंदुओं की विस्तृत पाठ-योजना हिंदी-विभाग के निरीक्षण में निर्धारित करेंगे जो अध्ययन-अध्यापन और परीक्षा का आधार होगी।

संदर्भ ग्रंथ :

1. Newsom and Carrell, Public Relation Writing
2. Otto Lerbinger, Managin Corporate Crisis, Bostan; Banington Press, 1986
3. Wilbur Schramm, Men, Messages and Media : a look at Human Communication.

प्रश्नपत्र-१३

समवर्ती पाठ्यक्रम – अनुशासन केन्द्रित–1

सेमेस्टर-V

प्रश्नपत्र-14 : प्रिंट माध्यम

1. दैनिक अखबार-निर्माण की प्रक्रिया – समाचार स्रोत, समाचार-संग्रह, समाचार-लेखन, समाचार-पत्र का ढाँचा, समाचार-पत्र के विभिन्न संस्करण, क्षेत्रीय संस्करण
   संपादकीय बोर्ड – संगठन एवं कार्यप्रणाली, संपादन
   ऑनलाइन समाचार-पत्र – स्वरूप, ऑनलाइन समाचार सामग्री-संकलन एवं स्रोत, ऑनलाइन समाचार लेखन एवं संपादन
2. समाचार-पत्र और मार्केटिंग विभाग – मार्केटिंग विभाग का ढाँचा एवं कार्यप्रणाली, मार्केटिंग एवं संपादकीय विभाग का अन्तस्सम्बन्ध, वितरण की प्रक्रिया

   डिजाइनिंग विभाग – ढाँचा, कार्यप्रणाली, समाचार-पत्र की पृज़्ठ सज्जा, मेकअप, ले आउट एवं डिजाइन
3. अखबार : उत्पाद या ब्राण्ड – अखबार और विज्ञापन का अन्तस्सम्बन्ध
   परिष्ठिाज़्ट की अवधारणा, परिष्ठिाज़्ट सामग्री संकलन एवं निर्माण, कन्टेंट राइटिंग, परिष्ठिाज़्ट
4. संपादन, प्रमुख हिंदी पत्र-पत्रिकाओं (दैनिक हिंदुस्तान, नवभारत टाइम्स, दैनिक भास्कर, इंडिया टुडे एवं आउटलुक इत्यादि) का स्वरूप विवेचन

व्यावहारिक कार्य : निम्नलिखित में से किसी एक पर परियोजना कार्य

1. आठ पृज़्ठ के समाचार-पत्र की डमी का निर्माण
2. सोलह पृज़्ठ की पत्रिका की डमी का निर्माण
3. परिष्ठिाष्ट पृष्ठों का निर्माण

संदर्भ ग्रंथ :

1. मेकिंग ए न्यूजपेपर – जॉन ला पोर्टे गिवेन
2. एडवरटाइजिंग एण्ड इंटिग्रेटेड ब्राण्ड प्रमोशन, थॉमस ओगुइन, क्रिस एलेन, रिचर्ड जे. सेमेनिक
3. डिजिटाइजिंग द न्यूज : इनोवेशन इन ऑनलाइन न्यूजपेपर्स – पाब्लो जे. बॉज़्कोवस्की
4. न्यूजपेपर मार्केटिंग इन इंडिया : ए फोकस ऑन द लैंग्वेज प्रेस – एन.वी.आर. ज्योतिकुमार

प्रश्नपत्र-15 : रेडियो

I. 1. जनमाध्यम के रूप में रेडियो – अर्नहाइम, मसानी आदि

2. लोकसेवा तथा व्यावसायिक रेडियो

3. निजीकरण व स्वायत्तता का प्रश्न

4. कम्यूनिटी रेडियो

II. रेडियो तकनीक व संपादन

1. ए.एम., एफ.एम. Software, एनालॉग व डिजीटल प्रसारण

2. रेडियो स्टूडियो का ढाँचा व प्रकार, रिकॉर्डिंग के विभिन्न उपकरण

III. कार्यक्रम-निर्माण की प्रक्रिया व कार्यक्रम संपादन, समाचार बुलेटिन, रेडियो, साक्षात्कार, फीचर संगीत-आधारित कार्यक्रम, विज्ञापन, पटकथा

IV. रेडियो प्रबंधन

1. रेडियो का अर्थतंत्र

2. आकाशवाणी और एफ.एम. प्रबंधन

3. विपणन और वितरण

4. रेडियो-श्रोता निर्माण, ग्राम्य श्रोता, शहरी श्रोता, श्रोता और रेडियो की अंतर्क्रिया

<u>व्यावहारिक कार्य</u>

– रेडियो समाचार बुलेटिन

– साक्षात्कार

– नाट्यकृति का रेडियो रूपांतरण

– फीचर

– विज्ञापन

उपर्युक्त में से किसी एक पर सी.डी. का निर्माण (अधिकतम 30 मिनट)

संदर्भ ग्रंथ :

1. दि रेडियो – गेल वोर्लैण्ड
2. दिस इज ऑल इंडिया रेडियो – ए हैण्डबुक ऑफ रेडियो ब्रॉडकास्टिंग इन इंडिया – यू.एल. बरुआ
3. अदर व्यॉएजेज़ : दि स्ट्रगल फॉर कम्युनिटी रेडियो इन इंडिया – विनोद पवराला, कंचन के. मलिक

प्रश्नपत्र-16 : टेलीविज़न

1. माध्यम के रूप में टेलीविजन

   रेमण्ड विलियम्स, मार्शल मैकलुहान, जॉन फिस्के, पियरे बोर्दियो

   – टेलीविजन का भारतीय परिप्रेक्ष्य

   – पी.सी. जोशी कमेटी की रिपोर्ट

   – टेलीविजन समाचार, टेलीविजन-दर्शक, टेलीविजन और मानवाधिकार के प्रश्न, टीआरपी और टेलीविजन बाजार

2. टेलीविजन तकनीक एवं प्रोडक्शन

   टेलीविजन स्टूडियो संरचना – प्रोड्यूसर, डायरेक्टर, कैमरा-तकनीक, कैमरामैन, शॉट विभाजन प्रक्रिया, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग, मेकअप मैन, एडीटिंग, फ्लोर मैनेजर, प्रकाश-व्यवस्था, सेट डिजाइनर, ध्वनि-प्रभाव, इनडोर और आउटडोर प्रोडक्शन, सिंगल कैमरा और मल्टी कैमरा प्रोडक्शन

3. टेलीविजन पटकथा

   टेलीविजन पटकथा लेखन – टेलीफिल्म, धारावाहिक, समाचार, विज्ञापन, टेली-प्ले, कॉमेडी-शो, टॉक-शो, रिएलिटी-शो, एंकरिंग, नृत्य-गायन प्रतियोगिताएँ, शूटिंग स्क्रिप्ट लेखन, लाइव-टेलीकास्ट और रिपोर्टिंग आदि

व्यावहारिक कार्य

उक्त विषयों से संबंधित सी.डी. निर्माण (अधिकतम 30 मिनट) साक्षात्कार

संदर्भ ग्रंथ :

1. भूमंडलीकरण और ग्लोबल मीडिया
2. लोकतंत्र और वैकल्पिक मीडिया : नॉम चॉमस्की
3. संचार माध्यम और सांस्कृतिक वर्चस्व – हरबर्ट आई शिलर
4. जनमाध्यम – पीटर गोल्डिंग

प्रश्नपत्र-17 : <u>सिनेमा</u>

1

– सिनेमा के विविध रूप :
(क) पॉपुलर हिंदी सिनेमा – धार्मिक, पौराणिक, ऐतिहासिक, मनोरंजनमूलक, कार्टून, ट्रेजेडी, कॉमेडी, हॉरर, बाल फिल्में, एनीमेशन आदि
(ख) ऑफ बीट नृत्य और संगीत, हिंदी सिनेमा और क्रॉसओवर

– सिनेमा पटकथा

– सिनेमा का बजट और बाज़ार

2 सिनेमा : निर्माण-प्रक्रिया

– फ्रेम, शॉट डिवीजन (दृश्य-विभाजन), विभिन्न कैमरा, कैमरा मूवमेंट, कैमरा एंगल, कैमरा ट्रिक्स, लैंस के द्वारा स्पेशल इफेक्ट, स्टिल फोटोग्राफी

– डबिंग और वॉयस ओवर, पोस्ट प्रोडक्शन

3 सिनेमा : तकनीक और निर्देशन

– प्रोड्यूसर, निर्देशन, निर्देशन-प्रक्रिया और प्रकार्य –
मुख्य सहायक निर्देशक, सहायक निर्देशक-1, सहायक निर्देशक-2, कन्टीन्यूटी ब्वॉय, कॉस्ट्यूम निर्देशक, फिल्म संपादक, कैमरामैन, लाइटिंग, लोकेशन हंटिंग (Reccee) प्रोडक्शन कंट्रोलर, परिधान परिकल्पना आदि

<u>व्यावहारिक परीक्षा</u>

– सामान्य हैण्डीकैम पर वीडियो फिल्म-निर्माण (10 मिनट)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी सिनेमा के सौ बरस – सं. मृत्युंजय
2. Abbas, Khwaja Ahmad, Bombay my Bombay! The Love Story of the city Delhi : New Ajanta, 1987
3. Donald Albercht, Donald, Designing Dreams : Modern Architecture and the movies.
4. बॉम्बे सिनेमा – रजनी मजूमदार

सेमेस्टर-VI

प्रश्नपत्र-18 : भारतीय पत्रकारिता का परिदृश्य और इतिहास

1. भारतीय पत्रकारिता का आरंभ और भाषाई प्रेस, अंग्रेजी प्रेस की भूमिका (राष्ट्रीय जागरण के दौर में)
2. हिंदी प्रेस के उदय की परिस्थितियाँ, प्रमुख स्थान बिंदु, नवजागरणकालीन प्रेस, तकनीक के विकास का परिदृश्य, प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस और राष्ट्रीय स्वतंत्रता, प्रेस और राष्ट्रवाद, प्रेस और सामाजिक विभाजन, पत्रकारिता और साहित्य की अंतर्क्रियाएँ।
3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी प्रेस, साहित्यिक पत्रकारिता; लोकप्रिय पत्रिका संस्कृति, जीवनशैली केंद्रित पत्रकारिता, राजनीतिक पत्रकारिता, विचार पत्रकारिता
4. ऑनलाइन पत्रकारिता – आरंभ, विकास, विशेषताएँ।
   प्रेस मुद्रण तकनीक से हाइपरटेक्स्ट तक की यात्रा, रियल टाइम, पत्रकारिता की चुनौतियाँ।
   परंपरागत संचार-लोकसंचार के रूप और रंगमंच का परिदृश्य

<u>**व्यावहारिक कार्य**</u>

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता के इतिहासलेखन की भूमिका
2. पत्रकारिता के विविध आयाम – वैदिक
3. भारत की समाचार-पत्र क्रांति – रॉबिन जेफ्री
4. हिंदी पत्रकारिता जातीय चेतना और खड़ी बोली साहित्य की निर्माण-भूमि :
   डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र

प्रश्नपत्र-19 : परियोजना कार्य

परियोजना कार्य के अंतर्गत माध्यम शोध-पद्धति, विषय चयन, सामग्री संकलन, नमूना एकत्रीकरण, सर्वेक्षण, संदर्भ लेखन आदि सिखाया जाए।

इस प्रश्नपत्र में प्रत्येक विद्यार्थी को जनमाध्यम के विभिन्न क्षेत्रों से संबद्ध विषयों के दो परियोजना-कार्य करने होंगे।

1. प्रत्येक परियोजना-कार्य का आलेख लगभग 50 पृष्ठों का होगा।
2. इस प्रश्नपत्र की मौखिकी होगी। मौखिकी में दो परीक्षक होंगे – आंतरिक और बाह्य। इनकी नियुक्ति विश्वविद्यालय के नियमानुसार की जाएगी।
3. प्रत्येक परियोजना का अंक-विभाजन इस प्रकार होगा :

   लिखित कार्य अंक 60

   मौखिकी अंक 40
4. वर्ष के प्रारंभ में प्रत्येक विद्यार्थी के लिए परियोजना-संबंधी विषयों के निर्धारण और निर्देशक की नियुक्ति निम्नलिखित सदस्यों की समिति करेगी।

   (क) महाविद्यालय विभाग प्रभारी/संयोजक/प्राचार्य।

   (ख) संचार माध्यम/संचार से संबद्ध विभिन्न क्षेत्रों में से एक विशेषज्ञ।

   (ग) दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी-विभाग के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत सदस्य।

प्रश्नपत्र-20 : प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम की अवधि समाप्त होने के पश्चात् विद्यार्थी को जनसंपर्क, विज्ञापन और संचार माध्यमों से 15 मई से 15 जुलाई तक प्रशिक्षण लेना होगा। प्रशिक्षण के बाद विद्यार्थी को अपने कार्यानुभव का प्रतिवेदन देना होगा जिसका मूल्यांकन 100 अंक में से किया जाएगा।

प्रश्नपत्र-२१

समवर्ती पाठ्यक्रम – अनुशासन केन्द्रित–2